तुमहीं आसरा हो धनी धाम वाले
अंधेरे जहां में तुम्हीं हो उजाले

1- ये दुनिया सफ़र एक मुश्किल सफ़र है
है किसमें भलाई न इसकी खबर है
भला कौन ऐसे में हमको संभाले

2- तुम अपनी रूहों के कठिन हाल जानो
हैं बेबस और बहुत हैं बेहाल जानो
ये उठ के खड़ी हों अगर तूं उठा ले

3- ये सुख दुख है ढलती हुई धूप छाया
जिन्हें अपना समझा वो सब है पराया
अर्श की रूहों को अर्श में जगा लो

Nijanand App